हादसा | कोयला परिवहन व्यवस्था और सड़क सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल, सड़क पर उतरा आक्रोश

कोयला लोड ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा,मौके पर मौत

नवभारत,धनपुरी। धनपुरी थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। कोयला लोड एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार ग्रामीण को कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और कोयला परिवहन करने वाले भारी वाहनों की तेज रफ्तार, कथित रूट उल्लंघन तथा लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर नाराजगी जताई। लोगों ने प्रशासन से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान नंदू उर्फ राजेंद्र कोल, निवासी संगवा टोला, बंगवार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी बाइक से बंगवार से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान दामिनी क्षेत्र से कोयला लोड कर संगवा साइडिंग की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रक धनपुरी थाना क्षेत्र के बेम्हौरी तिराहा, संगवा रोड पर उसकी बाइक की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का रो-रोकर बुरा हाल था। वहीं, ग्रामीणों ने कोयला परिवहन करने वाले ट्रकों के संचालन पर गंभीर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि अधिक ट्रिप लगाने और समय बचाने के लालच में ट्रक चालक निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करते और गांवों की सड़कों पर भी तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाते हैं। इससे क्षेत्र में आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और आम लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कोयला परिवहन के लिए निर्धारित मार्ग का कई बार पालन नहीं किया जाता। उनका कहना है कि दामिनी क्षेत्र से कोयला लेकर ट्रकों को परमिट के अनुसार अमलाई ओसीएम गेट के रास्ते गुजरना चाहिए, लेकिन कई वाहन कथित रूप से बंगवार-बेम्हौरी मार्ग से होकर सीधे संगवा साइडिंग पहुंचते हैं। इस कारण ग्रामीण सड़कों पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ गया है, जिससे सड़कें क्षतिग्रस्त होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए भी खतरा लगातार बढ़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन समय रहते इस समस्या पर ध्यान देता तो शायद इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकता था। हादसे के बाद मौके पर कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति भी बनी रही। आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि कोयला परिवहन करने वाले वाहनों की गति पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाए, निर्धारित मार्ग का सख्ती से पालन कराया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन मालिकों एवं चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच अभियान चलाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। घटना की सूचना मिलते ही धनपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की तथा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही दुर्घटना का मामला दर्ज कर ट्रक चालक की भूमिका, हादसे के वास्तविक कारण और कथित रूट उल्लंघन सहित सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुरूप कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह हादसा एक बार फिर जिले में कोयला परिवहन से जुड़े भारी वाहनों के संचालन, यातायात नियमों के पालन और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि तेज रफ्तार पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए, निर्धारित मार्ग का सख्ती से पालन कराया जाए और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो, तो ऐसी दुखद घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है और मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि ग्रामीण प्रशासन से ठोस और स्थायी समाधान की उम्मीद लगाए हुए हैं।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को मिला सफलता का मंत्र

अनुशासन और नवाचार पर जोर विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

नवभारत,शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम उत्साह, प्रेरणा और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने की, जबकि कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक परंपराओं से परिचित कराते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखना था। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने विद्यार्थियों को ज्ञान, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का महत्व बताते हुए कहा कि जो किसी से न डरे और जिससे कोई न डरे, वही आचार्य होता है। उन्होंने कहा कि बाह्य परिस्थितियों से मुक्ति का नाम ही ज्ञान है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास, जिज्ञासा और निरंतर अध्ययन के माध्यम से जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष तिवारी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, नवाचारों, शोध गतिविधियों तथा छात्र-केंद्रित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का भरपूर लाभ उठाने का आग्रह किया।

प्रेरक वक्ता अर्शिता तिवारी ने विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि छोटे कदम बड़े बदलाव की नींव रखते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने सपनों को ऊंचा रखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।इस अवसर पर आईएमएस, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के डॉ. रजत मिश्रा ने स्कूल से विश्वविद्यालय तक का संक्रमण काल विषय पर संवादात्मक व्याख्यान दिया। उन्होंने समय प्रबंधन, आत्मअनुशासन, सकारात्मक सोच और लक्ष्य आधारित अध्ययन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. उमा सिंह ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, पाठ्यक्रमों, शोध सुविधाओं एवं छात्र हितैषी गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं डॉ. मौसमी कर ने इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग का वीडियो प्रेजेंटेशन प्रस्तुत कर विभाग की प्रयोगशालाओं, उपलब्ध संसाधनों और शैक्षणिक गतिविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया।कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मनीषा शुक्ला ने किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. आदर्श तिवारी, डॉ. मुनीश नेगी, डॉ. हेमंत पाठक, डॉ. रुचि सिंह, डॉ. वंदना राम, डॉ. प्रज्ञा यादव, डॉ. संजीव द्विवेदी एवं डॉ. दिलीप तिवारी ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। अंत में डॉ. गणेश ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। दीक्षारंभ कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय जीवन की नई शुरुआत के लिए प्रेरणा, दिशा और आत्मविश्वास प्रदान किया।

एक नजर में

टेटकी में 15 दिनों से बिजली संकट, कम वोल्टेज से ग्रामीण परेशान

नवभारत,गोहपारू। ग्राम पंचायत सरसी के अंतर्गत आने वाले ग्राम टेटकी में पिछले करीब 15 दिनों से बिजली की समस्या बनी हुई है। लगातार कम वोल्टेज की समस्या के चलते ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दिन-रात बिजली की आंख-मिचौली और लो वोल्टेज के कारण घरेलू विद्युत उपकरणों का उपयोग करना मुश्किल हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार बिजली का वोल्टेज इतना कम रहता है कि पंखे, कूलर सहित अन्य विद्युत उपकरण ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। वहीं, वोल्टेज में लगातार उतार-चढ़ाव से विद्युत उपकरणों के खराब होने की आशंका भी बनी हुई है। उमस और गर्मी के बीच बिजली की इस समस्या ने ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ा दी है।

ग्रामीणों ने बताया कि समस्या को लेकर संबंधित विद्युत विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि गांव में विद्युत लाइन एवं ट्रांसफार्मर की जांच कराकर कम वोल्टेज की समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया जागरूकता का संदेश

नवभारत,शहडोल। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले में संचालित ष्नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत शनिवार को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। थाना प्रभारियों के नेतृत्व में लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति में कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सह उच्च विद्यालय, शहडोल में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर नशे के खिलाफएकजुटता का संदेश दिया और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी गई।

पुलिस अधिकारियों ने बच्चों से कहा कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाना तथा समाज में जागरूकता बढ़ाकर नशामुक्त वातावरण तैयार करना है। अभियान के तहत आगे भी जिलेभर में स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नशे से दूरी है जरूरी 2 .0, पुलिस ने दिया नशामुक्त समाज का संदेश

जनजागरूकता से होगी नशे पर रोक

नवभारत, धनपुरी। जिलेभर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान को लगातार व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। पुलिस प्रशासन द्वारा संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान अब जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। गांव-गांव और मोहल्लों तक पहुंचकर पुलिस न केवल लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करा रही है, बल्कि उन्हें एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए भी प्रेरित कर रही है। इसी क्रम में धनपुरी थाना

क्षेत्र के ग्राम सिलपरी में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) विकास पांडे, धनपुरी थाना प्रभारी (नगर निरीक्षक) खेम सिंह, थाना स्टाफ तथा ग्राम सिलपरी के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को नशे के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर एसडीओपी विकास पांडे ने कहा कि 'हमारा है यही संदेश, नशा मुक्त हो मध्य प्रदेश' केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून का पालन कराना नहीं है, बल्कि लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर सामाजिक बदलाव लाना भी है। जब तक समाज स्वयं आगे बढ़कर नशे के खिलाफ आवाज नहीं उठाएगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि आसपास कहीं भी अवैध नशे का कारोबार या नशे से जुड़ी गतिविधियां दिखाई दें तो इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

रेलवे फुटबॉल मैदान में फ्लड लाइट लगाने की कवायद तेज

खेल मैदानों में आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की तैयारी

नवभारत,शहडोल। रेलवे फुटबॉल ग्राउंड शहडोल एवं मनेंद्रगढ़ में फ्लड लाइट सहित अन्य बुनियादी खेल सुविधाओं के विकास की दिशा में रेलवे प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मान्यता प्राप्त रेल संगठन साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस द्वारा मंडल पीएनएम बैठक (20 नवंबर 2025) के एजेंडा क्रमांक-29 में यह मांग उठाए जाने के बाद अब सर्वे की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है।

रेलवे मजदूर कांग्रेस के मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष एवं सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव, अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोपारागड़े, शहडोल शाखा सचिव बालकृष्ण बंगारी तथा मनेंद्रगढ़ शाखा सचिव खुर्शीद आलम ने रेलवे खेल मैदानों में फ्लड लाइट एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। मांग पर संज्ञान लेते हुए मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर राकेश रंजन के निर्देश पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमन मिश्रा ने 4 मई 2026 को पत्र जारी कर शहडोल एवं मनेंद्रगढ़ रेलवे फुटबॉल ग्राउंड की बुनियादी सुविधाओं के उन्नयन के लिए सर्वे कमेटी गठित की। इसके बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (आरएसएन) वासू गुप्ता ने भी फ्लड लाइट स्थापना के लिए विभागीय सहमति देते हुए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।इसी क्रम में 17 जुलाई को मनेंद्रगढ़ रेलवे फुटबॉल ग्राउंड का संयुक्त सर्वे किया गया। सर्वे दल में जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोपारागड़े, शाखा सचिव खुर्शीद आलम, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य) साकेत गुप्ता तथा सीनियर सेक्शन इंजीनियर (विद्युत सामान्य) अनील कटारे शामिल रहे। सर्वे के दौरान मैदान में छह फ्लड लाइट लगाने का प्रस्ताव तैयार कर रिपोर्ट मंडल रेल प्रशासन बिलासपुर को भेज दी गई।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को किया जागरूक

नवभारत,गोहपारू। जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियान के तहत थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा के नेतृत्व में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारी ने गोहपारू चौराहे से भ्रमण करते हुए लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया।

इस दौरान नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर कलाकारों ने नशे से होने वाले नुकसान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से लोगों को शराब, गांजा, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की समझाइश दी गई। पुलिस द्वारा

लोगों से नशे का त्याग कर स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जीने की अपील की गई। थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी लोगों को जागरूक होकर इस अभियान में सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पपौंध थाने पहुंचे एसपी, परखी व्यवस्थाएं

नवभारत,शहडोल। जिले की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने सीमावर्ती पपौंध थाना का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एसपी ने थाने के हवालात, मालखाना, रिकॉर्ड रूम, सीसीटीवी व्यवस्था, विभिन्न संधारित रजिस्टरों तथा बलवा ड्रिल सामग्री का निरीक्षण कर अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण और संसाधनों के बेहतर रखरखाव पर जोर दिया। उन्होंने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं हमेशा दुरुस्त रहें और पुलिस कार्यप्रणाली में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने माइक्रो बीट प्रणाली की समीक्षा करते हुए बीट प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहने, असामाजिक तत्वों, निगरानीशुदा बदमाशों और गुंडा तत्वों पर नियमित नजर रखने तथा उनकी गतिविधियों का सतत सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस की सतर्कता ही अपराध नियंत्रण की सबसे बड़ी ताकत है। एसपी डॉ. अग्रवाल ने जिले में चल रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान की भी समीक्षा की और इसे गांव-गांव तथा स्कूल-कॉलेजों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जनभागीदारी बढ़ाकर ही समाज को इस बुराई से मुक्त कराया जा सकता है।

सुभाष सेन बने स्थाई सहायक अभियंता, क्षेत्रवासियों ने दी शुभकामनाएं

नवभारत,बुढार/शहडोल। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा जारी किए गए नवीनतम आदेश के अंतर्गत, विद्युत विभाग में लंबे समय से अपनी उत्कृष्ट और समर्पित सेवाएं दे रहे सुभाष कुमार सेन (प्रभारी सहायक अभियंता, उप संभाग बुढार) को एक बड़ी प्रशासनिक सौगात मिली है। विभाग में उनके सराहनीय सेवा रिकॉर्ड और कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें प्रभारी (अस्थाई) से स्थाई सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नत कर दिया गया है। इस महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें विभाग के उच्च

अधिकारियों, सहकर्मियों, शुभचिंतकों और स्थानीय क्षेत्रवासियों की ओर से बधाई और उज्ज्वल भविष्य की अनंत शुभकामनाएं प्राप्त हो रही हैं।

कर्तव्यनिष्ठा और निरंतर सेवा का मिला प्रतिफल

सुभाष कुमार सेन का यह स्थायीकरण और पदोन्नति उनकी कड़ी मेहनत, तकनीकी विशेषज्ञता और उपभोक्ताओं के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण का परिणाम है। प्रभारी सहायक अभियंता के रूप में उप संभाग बुढार में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विद्युत आपूर्ति को निर्बाध रखने और विभागीय चुनौतियों का कुशलतापूर्वक सामना करने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है।

उनकी इस कामयाबी से न केवल उनके स्टाफ और विभाग में हर्ष का माहौल है, बल्कि स्थानीय नागरिकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि एक ईमानदार और कर्मठ अधिकारी को स्थाई रूप से यह बड़ी जिम्मेदारी मिलना पूरे क्षेत्र के विद्युत प्रबंधन के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा।

नई जिम्मेदारी, नई उम्मीदें

प्रभारी भूमिका से आगे बढ़कर अब स्थाई रूप से सहायक अभियंता का पदभार संभालना उनके करियर का एक बेहद गौरवशाली मोड़ है। इस आदेश के जारी होने के बाद ही उनके सुभचिन्तको ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्रवाई | डोंगरी टोला, कामता, कोलुहा और गलहता में भारी मात्रा में रेत जब्त, भंडारण आखिर कब और कैसे हुआ?

अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई ने खोली निगरानी व्यवस्था की पोल

नवभारत,शहडोल। जैतपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त कार्रवाई के दौरान डोगरी टोला, कामता कोलुहा और गलहता में भारी मात्रा में अवैध रेत का भंडारण मिलने के बाद जिले की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में रेत का अवैध भंडारण एक दिन में तो नहीं हुआ होगा, फिर संबंधित विभागों को इसकी भनक पहले क्यों नहीं लगी? संयुक्त टीम की कार्रवाई में अवैध रूप से जमा रेत जब्त कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नियमित निगरानी और प्रभावी कार्रवाई होती, तो अवैध भंडारण इस स्तर तक नहीं पहुंचता।

क्षेत्र में चर्चा है कि अवैध उत्खनन और भंडारण का यह कारोबार लंबे समय से जारी है। ग्रामीणों का आरोप है कि रात के समय ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से रेत का परिवहन और भंडारण होता रहा, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी रोकथाम नहीं की गई। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारों का मानना है कि अवैध रेत भंडारण केवल राजस्व हानि का मामला नहीं है, बल्कि इससे अवैध खनन को भी बढ़ावा मिलता है और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में केवल रेत जब्त करना पर्याप्त नहीं माना जा सकता, बल्कि यह भी आवश्यक है कि यह पता लगाया जाए कि रेत कहां से लाई गई, इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं और अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

अब स्थानीय नागरिक मांग कर रहे हैं कि पूरे क्षेत्र में अवैध रेत भंडारण और उत्खनन की व्यापक जांच कर दोषियों के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि कार्रवाई केवल जब्ती तक सीमित रही और पूरे नेटवर्क का खुलासा नहीं हुआ, तो अवैध कारोबार पर स्थायी रोक लगाना मुश्किल होगा।

फल-फूल रहा अवैध पैथालॉजी लैबों का कारोबार

बिना अनुमति और मानकों के संचालन की चर्चाएं

नवभारत,ब्यौहारी। विकासखंड में अवैध पैथालॉजी लैबों के संचालन को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। गलियों से लेकर मुख्य बाजार तक बिना आवश्यक अनुमति, बिना योग्य विशेषज्ञों और निर्धारित मानकों के कई पैथालॉजी केंद्र संचालित होने की बातें सामने आ रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को इन केंद्रों की जानकारी होने की चर्चा है, तब भी प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। क्षेत्र में लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि कथित तौर पर चढ़ोत्तरी और संरक्षण के चलते अवैध कारोबार बेखौफ जारी है, जबकि कार्रवाई से जुड़ी फाइलें केवल कार्यालयों तक सीमित रह जाती हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सूत्रों के अनुसार, कई पैथालॉजी केंद्रों पर मान्यता प्राप्त

पैथोलॉजिस्ट की नियमित उपलब्धता नहीं है और जांच संबंधी आवश्यक मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा। इसके बावजूद मरीजों से खून, यूरिन और अन्य जांच के नाम पर मोटी राशि वसूले जाने की बात कही जा रही है। चिंताजनक पहलू यह है कि इन्हीं जांच रिपोर्टों के आधार पर चिकित्सक मरीजों का उपचार करते हैं। यदि जांच रिपोर्ट में त्रुटि हो जाए तो मरीज के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर निरीक्षण की औपचारिकता तो करता है, लेकिन कार्रवाई के स्तर पर मामले आगे नहीं बढ़ते। यही कारण बताया जा रहा है कि नियमों की अनदेखी करने वाले संचालकों के हौसले बुलंद हैं। लोगों का कहना है कि यदि निष्पक्ष और व्यापक जांच कराई जाए तो कई अवैध पैथालॉजी केंद्रों पर तत्काल कार्रवाई संभव है।

क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि कुछ प्रभावशाली लोगों के कथित संरक्षण के कारण संबंधित अधिकारियों द्वारा सख्त कदम उठाने से परहेज किया जाता है। हालांकि, इस संबंध में भी कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।अब आम नागरिकों ने जिला प्रशासन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मांग की है कि विकासखंड में संचालित सभी पैथालॉजी लैबों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जो भी केंद्र बिना वैध अनुमति या निर्धारित नियमों के विपरीत संचालित पाए जाएं, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही यदि जांच में किसी अधिकारी की लापरवाही या संरक्षण की पुष्टि होती है तो उनके विरुद्ध भी उचित कार्रवाई की जाए, ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था में आम जनता का विश्वास बना रहे।